कक्षा VII पाठ 5
औरतों ने बदली दुनिया

प्रश्न उत्तर

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 1. आपके विचार से महिलाओं के बारे में प्रचलित रूढ़िवादी धारणा कि वे क्या कर सकती हैं और क्या नहीं, उनके समानता के अधिकार को कैसे प्रभावित करती है?

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 औरतों ने बदली दुनिया (NCERT)

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

उत्तर. हमारे विचार में महिलाओं के बारे में प्रचलित रूढ़िवादी धारणा उनके समानता के अधिकार को निम्न प्रकार से प्रभावित करती हैं

1. अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी लड़कियाँ

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

ही शिक्षा प्राप्त कर पाती हैं जितनी सुविधा उनके गाँव में उपलब्ध होती है। उन्हें प्रायः आगे की शिक्षा प्राप्त करने दूसरे गाँव अथवा शहर नहीं भेजा जाता है।

2. अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

में आज भी घूँघट प्रथा, लड़कियों की कम उम्र में शादी करना, लड़कियों को चारदीवारी तक सीमित रखना आदि प्रथा प्रचलित है। अधिकांश परिवारों में लड़कियों के स्कूली शिक्षा

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

पूरी हो जाने के बाद उनकी शादी कर दी जाती है।

3. अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में

या अशिक्षित परिवारों या रूढ़िवादी परिवारों में लड़कियों को पराया धन मानकर परवरिश की जाती

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

और लड़कों को वंश चलाने वाला माना जाता है, इसलिए उनकी परवरिश लड़कियों से बेहतर की जाती है।

4. अधिकांश लोग अभी भी यह मानते हैं कि लड़कियों का मुख्य

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

कार्य भावी परिवार के उत्तरदायित्व को निभाना है, जिसके लिए उच्च शिक्षा के स्थान पर अन्य कार्यों; जैसे-पाककला, सिलाई-बुनाई आदि की अधिक आवश्यकता होती है।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

प्रश्न 2. कोई एक कारण बताइए जिसकी वजह से राससुंदरी देवी, रमाबाई और रुकैया हुसैन के लिए अक्षर ज्ञान इतना महत्त्वपूर्ण था।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

उत्तर. राससुंदरी देवी, रमाबाई और रुकैया हुसैन के लिए अक्षर ज्ञान इसलिए महत्त्वपूर्ण था, क्योंकि तीनों पढ़ाई और अक्षर ज्ञान के लिए काफी उत्सुक थीं और ये तीनों धनी परिवार से संबंधित थीं, जिसके कारण उनके लिए। यह सब संभव हो सका।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

"आमार जीबोन"

My life (मेरा जीवन)

प्रकाशित - 1976

रासुंदरी देवी

बंगाली लेखिका

आत्मकथा लिखने वाली पहली भारतीय महिला

आत्मकथा लिखने वाली पहली बंगाली

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

प्रश्न 3. “निर्धन बालिकाएँ पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती हैं, क्योंकि शिक्षा में उनकी रुचि नहीं है।” पृष्ठ 17 पर दिए गए अनुच्छेद को पढ़ कर स्पष्ट कीजिए कि यह कथन सही क्यों नहीं है?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर. यह कथन सत्य नहीं है, क्योंकि निर्धन बालिकाएँ पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती हैं, इसका कारण उनकी रुचि न होना नहीं है, बल्कि दूसरे अनेक कारण हैं।

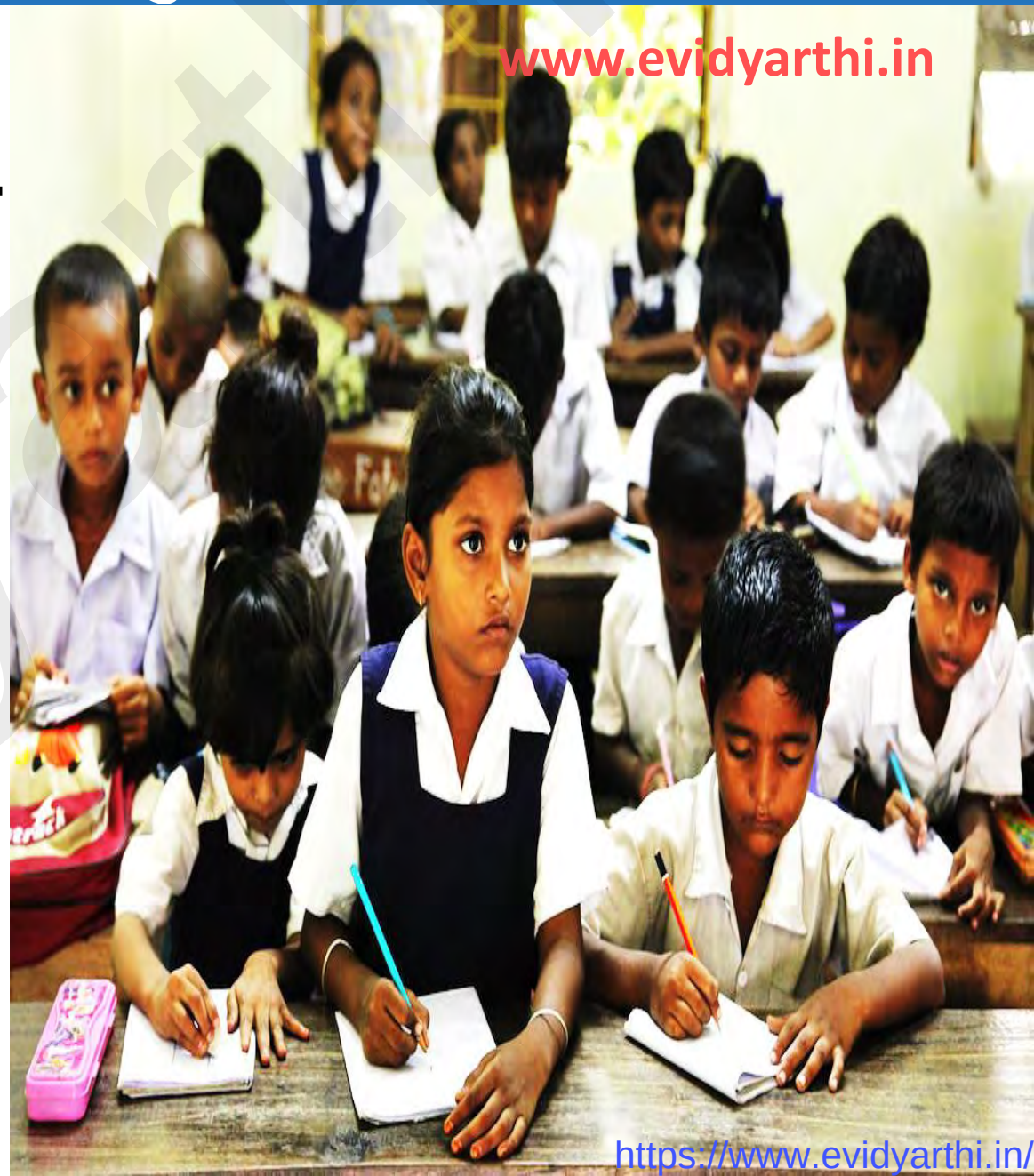

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

1. दलित, आदिवासी और मुस्लिम वर्ग की लड़कियों के स्कूल छोड़ देने के अनेक कारण हैं। देश के अनेक भागों में विशेषकर ग्रामीण और गरीब क्षेत्रों में

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

रूप से पढ़ाने के लिए न उचित स्कूल हैं न ही शिक्षक। यदि विद्यालय घर के पास नहीं हो और लाने-ले जाने के लिए किसी साधन जैसे बस या वैन आदि की

www.evidyarthi.in

व्यवस्था न हो तो अभिभावक लड़कियों को स्कूल नहीं भेजना चाहते।

2. कुछ परिवार अत्यंत निर्धन होते हैं और अपने सभी बच्चों को पढ़ाने का खर्चा नहीं उठा पाते हैं। ऐसी स्थिति में लड़कों को

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

प्राथमिकता मिलती है और लड़कियों को नहीं पढ़ाया जाता।

3. बहुत से बच्चे इसलिए भी स्कूल छोड़ देते हैं, क्योंकि उनके साथ उनके शिक्षक और सहपाठी भेदभाव करते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

प्रश्न 4. क्या आप महिला आंदोलन द्वारा व्यवहार में लाए जाने वाले संघर्ष के दो तरीकों के बारे में बता सकते हैं? महिलाएँ क्या कर सकती हैं और क्या नहीं, इस विषय पर आपको रूढ़ियों के

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

विरुद्ध संघर्ष करना पड़े, तो आप पढ़े हुए तरीकों में से कौन-से तरीकों का उपयोग करेंगे? आप इसी विशेष तरीके का उपयोग क्यों करेंगे?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर. संघर्ष के दो प्रमुख तरीके:-

1. औरतों के अधिकारों के संबंधों में समाज में जागरूकता बढ़ाना।
2. भेदभाव और हिंसा का विरोध करना।

यदि हमें रूढ़ियों के विरुद्ध

https://www.evidyarthi.in/

संघर्ष करना पड़े तो हम प्रयास करेंगे कि समाज में औरतों के अधिकारों के संबंध में जागरूकता फैलाया जाए। लोगों को यह बतलाया जाए कि महिलाएँ भी समाज के

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

www.evidy

के विकास से ही परिवार और समाज का विकास हो सकता है। समाज को यह बतलाया जाए कि हमारे पूर्वज पढ़े-लिखे नहीं थे, इसलिए उनके अन्दर महिलाओं को लेकर संकीर्ण

https://www.evidyarthi.in/

मानसिकता थी। अब हम संकीर्ण मानसिकता को छोड़कर महिलाओं से होने वाले भेदभाव को त्याग करें और एक आदर्श समाज का निर्माण करें।

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/